(1)

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

बरुन्दनी, तह - माण्डलगढ, जिला - भीलवाडा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - माही पाराशर

२. पिता का नाम - योगेश पाराशर

३. घर का पता - 0-36 आजाद नगर भीलवाड़ा

४. दूरवाणी संख्या - 9887401406

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री द्वितीय वर्ष अध्ययनरत

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - संस्कृत साहित्य

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - श्री मान डॉ ब्रजमोहन शर्मा

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - पिता-पुत्री

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? - अध्यापक के अध्यापन से प्रेरित होकर मैं इसी क्षेत्र में आगे पढाई करती रहूँगी तथा अपने नगर क्षेत्र मे अन्य विद्यार्थियों को इसी ओर प्रेरित करूँगी।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? - अध्यापक जी पढाने की शैली सरल व शीघ्र स्मरण वाली है। यथा - आगमन - निगमन विधि। पाठ्य-पुस्तक विधि आदि।

1

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय में पठन-पाठन का वातावरण बहुत अच्छा है समयचक्र के अनुसार पाठ्यक्रम को सम्पूर्ण अध्ययन करवाया जाता है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

मैं छात्रावास मे नही रहती हूँ

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय का पुस्तकालय अच्छा है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय का खेल का मैदान स्वच्छ एवं पर्यावरण का ध्येय बहुत सुन्दर है पर्यावरण की दृश्य बहुत अच्छा है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

मैंने यहाँ से शास्त्री प्रथम वर्ष JRRSU से उत्तीर्ण किया है। 70% नम्बर आये हैं

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ?

हाँ / आम

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

वर्तमान मे हम श्री ला. दे. श. आ. स.

पं. मैं योगेश पाराशर अपनी बालिका माही पाराशर की प्रगति से सन्तुष्ट हूँ। तथा भविष्य मे भोर अच्छा करे ऐसी आशा करता हूँ।

नाम- योगेश पाराशर
शास्त्री द्वितीय वर्ष
पता- 0-36 आजाद नगर
9887401406

Yogesh

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Mahi

2

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

बल्दरी, वा. - माण्डलगढ़ जिला - भीलवाड़ा (राज.)

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - पूजा कुमारी शर्मा

२. पिता का नाम - भैरू लाल शर्मा

३. घर का पता - बिरधों माफी तह. सवाईपुर जिला भीलवाड़ा राजस्थान

४. दूरवाणी संख्या - 9929659133

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री प्रथम वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - संस्कृत साहित्यम्

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - श्रीमान डा. बृजमोहन शर्मा
श्रीमान प्राञ्जलि मिश्र

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - पिता -पुत्री

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? - अध्यापक के अध्यापन से प्रभावित होकर स्वयम निर्णय लेने और संस्कृत के प्रति अगाध श्रद्धा उतपन्न हो गई जिसके कारण मैं स्वयम अपने गांव के बच्चों को प्रवेश करने के लिए प्रेरित करती हूँ।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? - गुरु की पढाने की शैली बहुत अच्छी व सरल है जिस से मैं संस्कृत पढ सकती हु बोल सकती हु लिख भी सकती हुँ।

Scanned with OKEN Scanner

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय मे पठन-पाठन का वातावरण बहुत अच्छा लगा मै नियमित अध्ययन के लिए 12 कि.मी. दूर से प्रतिदिन आती हु मै गाँव से कोई आने जाने साधन नही फिर भी मै प्रतिदिन आती हु

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

मै छात्रावास मे नही रहती हुं ।

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय कैसे है, अपना मन्तव्य दें -

हमारा महाविद्यालय का पुस्तकालय भी है इसमे पाठ्य ग्रन्थ है और इसमे मै नित्य पत्र पत्रिकाओ का अध्ययन करती हुं।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय का खेल का मैदान स्वच्छ है पर्यावरण कि स्वच्छता हमारा ध्येय है

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

वर्तमान मे अध्ययनरत संस्कृत सम्भाषण शिविर मे भाग लिया। और महाविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रम मे उपस्थित रहे हुं।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? - आम हां

आम हां

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

शास्त्री प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर मे परीक्षा दे रहे हु 77% लाकर मे सन्तुष्ट हु आगे ईश्वर अध्यापिका के लिए कोशिश करुगी।

नाम पूजा कुमारी शर्मा
शास्त्री प्रथम वर्ष द्वितीय समेस्टर
ग्राम पिपल्या भीलवाडा राजस्थान
9929603133

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

3

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - दीपक कुमार आसू

२. पिता का नाम - महावीर प्रसाद जी आसू

३. घर का पता - सांगानेर रोड जैन ओटो कालोनी भीलवाड़ा

४. दूरवाणी संख्या - 7568599387

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री III वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023 - 24

७. विषय - हिन्दी

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - डॉ. संजय कुमार तिवारी
श्री ~~प्रांजल मिश्र~~

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - अच्छा

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -
सरल व अच्छा ज्ञान पढ़ाने के तरीके से

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? -
उच्च व एक एक पद्य को सही समझाना

Scanned with OKEN Scanner

६

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

समय समय पर पठन पाठन होता है, खेल कूद भी होते है सभी अध्यापक सही पढ़ाते है। महाविद्यालय का वातावरण अच्छा रहता है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नहीं

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

एक दम शांत वातावरण है पढ़ने में बहुत अच्छा लगता है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय का खेल मैदान अति सुन्दर है

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

बहुत अच्छी रही है हमने यहां से बहुत कुछ सिखने को मिला है। मुझे अपने क्षेत्र मे आगे बढने का मार्ग दर्शन मिला

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? नहीं

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

वर्तमान मे भीलवाड़ा कार्यरत है बहुत कुछ लाभ हुआ। संस्कृत भाषा कि जानकारी होने लगी

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

॥ श्रीः ॥

फीडबैक (प्रतिक्रिया)

नाम- खेमराज तिवारी

पिता- पं. चतुर्भुज प्रसाद तिवारी

ईमेल - Raj tiwari 9654@Gmail.Com

मोबाईल- 8085773777

विद्यालय- श्रीमति लाडदेवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, जिला-भीलवाड़ा (राजस्थान)

कक्षा- शास्त्री एवं आचार्य

विषय- शुक्ल यजुर्वेद

सत्र- 2018-2024

परिवेश - विद्यालय का परिवेश बहुत ही सुन्दर है।

पठन-पाठन की व्यवस्था - उत्तम है।

गुरुजनों के साथ सम्बन्ध - बहुत अच्छा है।

अपना विचार - विद्यालय के अध्यापकों (गुरुजनों) का व्यवहार विद्यार्थियों के लिए बहुत ही अच्छा है, और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिए निरन्तर प्रयास करते रहते हैं।

यदि विद्यार्थी मन लगाकर अध्ययन कार्य करते रहें तो उनका भविष्य बहुत ही उज्वल होगा तथा वें सम्पूर्ण राजस्थान एवं विभिन्न प्रान्तों में कार्यरत होकर शोभा प्राप्त करेंगे ।

नाम - खेमराज चतुर्भुज प्रसाद तिवारी

हस्ताक्षर- खेमराज तिवारी

दिनांक - 15-04-2024

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः

श्रीगुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

[illegible]

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - वन्दना शर्मा

२. पिता का नाम - श्रीमान् भैरू लाल शर्मा

३. घर का पता - मु. पो. जित्या माफी तह. सवाईपुर जिला भीलवाड़ा राजस्थान

४. दूरवाणी संख्या - 9829461551

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - आचार्य प्रथम वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - संस्कृत साहित्य

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - श्रीमान्‌ब्रजमोहन ~~कुमार~~ शर्मा
श्रीमान प्रांजल मिश्र

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - पिता - पुत्री

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? - बहुत अच्छी तरह से प्रेरित हुँ मैं निर्णय लेने की क्षमता व कार्य कौशल बनी हूँ। अनुशासन प्रिय

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? - सुमधुर सुस्पष्ट पाठ्यक्रम समय से पूर्ण करना आगे बढ़ने की प्रेरणा श्रीमान से सीखा है।

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

बहुत उत्तम है। वातावरण। यहाँ कुमकुर, छात्राओं प्यार से मिलाते है बहुत अच्छा है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

मैं नहीं रहती हूँ

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय का पुस्तकालय सुव्यवस्थित व उत्तम है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

खेल मैदान बहुत उत्तम व साफ व बड़ा है स्वच्छ परिसर पर्यावरण प्रियता स्थेय है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

मैं संस्कृत मे अच्छी तरह से पठन-पाठन मे कुशल हुई कार्य कुशलता व निर्णय क्षमता मे काफी सफलता मिली मैं संस्कृताध्यापन करने एवं कराने सक्षम हो गयी हूँ।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सुकते हैं या लिख सकते हैं ?

हाँ मैं संस्कृत मे बात कर सकती हूँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

मैं अभी भी अध्ययन कर रही हूँ।

वन्दना शर्मा
3/5/24
आचार्य प्रथम वर्ष द्वितीय सेमिस्टर
C.S.U New Delhi

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

बरुन्दनी, तह - माण्डलगढ़, जिला - भीलवाड़ा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - आदित्य उपाध्याय

२. पिता का नाम - श्री ओम प्रकाश शर्मा

३. घर का पता - ग्रा. अथोपुर, पो. जावल, तह. कोटड़ी
जिला - भीलवाड़ा (राजस्थान) पिनकोड - 311601

४. दूरवाणी संख्या - 9000126317

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री द्वितीय वर्ष अध्ययनरत

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - शास्त्री प्रथम वर्ष (-2022-23)

७. विषय - संस्कृत साहित्य

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - श्रीमान डॉ. ब्रजमोहन जी शर्मा

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - पिता-पुत्र समान

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? - अध्यापक के अध्यापन से प्रेरित होकर मैं इसी क्षेत्र में आगे पढ़ाई करता रहूँगा। तथा अपने ग्राम के अन्य विद्यार्थियों को इसी ओर प्रेरित करूँगा।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? -
अध्यापक जी की पढ़ाने की रीति सरल व शीघ्र स्मरण वाली है। यथा - आगमन-निगमन विधि। पाठ्य पुस्तक विधि आदि।

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय में पठन पाठन का वातावरण अनुकूल तथा नियमित है। पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण अध्यापन करवाया जाता है। नियमित रूप से प्रतिदिन मैं घर से 45 किमी. दूर स्वयं के यातायात साधन से आता हूँ

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नहीं

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय का पुस्तकालय शान्त, स्वच्छ, बड़ा तथा सभी प्रकार की पुस्तकों को उपलब्ध करवाने वाला है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय का खेल मैदान स्वच्छ तथा आधुनिक खेल सामग्री तथा सुविधाओं से परिपूर्ण है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

वर्तमान में मैं महाविद्यालय में अध्ययनरत हूँ तथा सभी प्रकार के सांस्कृतिक व खेल सम्बन्धित कार्यक्रमों में शौक भाग लेता हूँ तथा लेता रहूँगा।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ?

हाँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

वर्तमान में मैं महाविद्यालय में अध्ययनरत हूँ तथा आगे इसी क्षेत्र में अध्ययन कर अध्यापक बनने की इच्छा करता हूँ.

नाम- आदित्य उपाध्याय
शास्त्री द्वितीय वर्ष
ग्रा. अभेपुर पो. कावलां- तह. कोटड़ी
भीलवाड़ा (राजस्थान)
मो. नं. - 8000126317

आदित्य

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

7

॥ श्रीः॥

फीडबैक (प्रतिक्रिया)

नाम- चन्द्रशेखर तिवारी

पिता- पं. चतुर्भुज प्रसाद तिवारी

ईमेल -she khart 698.st.ct@Gmail.Com

मोबाईल- 9669576491

विद्यालय - श्रीमति लाडदेवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, जिला-भीलवाड़ा (राजस्थान)

कक्षा - शास्त्री एवं आचार्य

विषय - शुक्ल यजुर्वेद

सत्र - 2018-2024

विद्यालय का परिवेश- बहुत ही सुन्दर है।

पठन-पाठन की व्यवस्था- उत्तम है।

गुरुजनों के साथ सम्बन्ध - बहुत अच्छा है।

अपना विचार - विद्यालय के अध्यापकों (गुरुजनों) का व्यवहार विद्यार्थियों के लिए बहुत ही अच्छा है, और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिए निरन्तर प्रयास करते रहते हैं। यदि विद्यार्थी मन लगाकर अध्ययन कार्य करते रहें तो उनका भविष्य बहुत ही उज्चल होगा तथा वें सम्पूर्ण राजस्थान एवं विभिन्न प्रान्तों में कार्यरत होकर शोभा प्राप्त करेंगे।

नाम - चन्द्रशेखर चतुर्भुज प्रसाद तिवारी

हस्ताक्षर - चन्द्रशेखर तिवारी

दिनांक - 15-04-2024

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

फीड बैक (प्रतिक्रिया)

1-नाम- कन्हैया लाल शर्मा

2-पिता का नाम- शिव नारायण जी शर्मा

3-ईमेल kanhaiyalalsharma2230@gmail.

3-विषय- अथर्ववेद

4-कक्षा-शास्त्री एवं आचार्य

5-विद्यालय का परिवेश - स्वच्छ एवं साफ सुथरा शांत वातावरण

6-पठन-पाठन की व्यवस्था - अति उत्तम

7-गुरु जनों के साथ सम्बन्ध -शिष्य के द्वारा निष्ठावान् आध्यात्मिक प्रयास और गुरु के दिव्य आशीर्वाद का मिलन।

8-अपना विचार - मैं नि: शब्द हूं कि मुझे ऐसा महाविद्यालय मिला और ऐसे गुरुजन मिले

9-अपनी-अपनी उपलब्धियां - अथर्ववेद का पठन और पाटन

10-अन्य छात्रों को प्रेरित - सभी छात्र अपने आगे की पढ़ाई पूर्ण करें और अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं

11-अपना भविष्य - उज्जवल भविष्य

12_सत्र -2018-2022

पता= कन्हैया लाल शर्मा स्वर्ण मन्दिर वेल्लोर तमिल नाडु 632055

संपर्क 9080973991

K•L•S•

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

चरुन्दनी, तह - मांडलगढ़, जिला - भीलवाड़ा (राज) 311606

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - राधा कुमारी

२. पिता का नाम - युगमल शर्मा

३. घर का पता - जिआँ माफी

४. दूरवाणी संख्या - 9929128922

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री प्रथम वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - शास्त्री प्रथम वर्ष

७. विषय - साहित्य

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - डॉ. पंकज कुमार सिंह
श्री. प्रांजल मिश्र

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - बहुत सुन्दर

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -

मैं अपने कैरियर के प्रति उत्साहित हूँ। अपने छात्र जीवन मे पढ़ाई एवम् .

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? -

बहुत सुन्दर है सरल एवम् सरल भाषा मे उनका व्याख्यान होता है। जो आसानी से मुझे समझ मे आ जाता है। कक्षा मे उत्साहित रहती हूँ

Scanned with OKEN Scanner

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय में पठन पाठन का परिवेश एवम् वातावरण बहुत हि सुन्दर है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

मैं छात्रावास में नहि रहती हूँ

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय कैसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय का पुस्तकालय सम्पन्न है इसे समझमे जो पुस्तकें चाहिए वह प्राप्त हो जाता है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय के पास एक खेल का मैदान है। जिसमे हमे भिन्न - भिन्न प्रकार के खेल खेले जाते है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

मुझे इस महाविद्यालय में आने से मेरे व्यक्तित्व में निखार आया है। मानवता के प्रति, समाज के प्रति पर्यावरण के प्रति एवम् अपने विचारों में सुधार के प्रति ये भारी उपलब्धि है

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ?

हाँ मै संस्कृत मे लिख सकती हुँ बोल सकती हूँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढ़ने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

मे अभि साहित्य शास्त्री प्रथम वर्ष लाडदेवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय विद्यार्थी
मुझे यहाँ पढने से अनेक प्रकार के लाभ हुए सर्व प्रथम मेरे विचार स्वतंत्र हुए अब मै खुल कर अपने भावो को अभिव्यक्त कर सकी हुँ। समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझ सकी मानवीय संवेदना को पहचान सके असहाय के लिए मदद एवं सहानुभूति कितनी उपकारि होती है। इसको जान सकी ये सब कॉलेज आने का हि प्रभाव है।

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

हस्ताक्षर
राधा कुमारी
शास्त्री प्रथम वर्ष

फीडबैक(प्रतिक्रिया)

मैं महाविद्यालय का पूर्व छात्र हूं , यहां पर विभिन्न ग्रन्थों का अध्ययन करने के पश्चात् स्वयं को उन्नति के मार्ग पर सफलता प्राप्त कर रहा हू। मैं महाविद्यालय का समस्त गुरुजनो का कृतज्ञ हूं।

नाम-पुरुषोत्तम बैरागी

पिता का नाम- कैलाश बैरागी

purushottambairagi 391@gmail.com

विषय- शुक्लयजुर्वेद

कक्षा - शास्त्री

विद्यालय का परिवेश -

विद्यालय का शैक्षिणिक एवं स्वस्थ प्राकृतिक परिवेश है।

पठन- पाठन व्यवस्था -

अध्ययन - अध्यापन के लिए शांत वातावरण के साथ उत्तम व्यवस्था है।

गुरुजनो के साथ सम्बन्ध-

गुरुजनों का छात्र के प्रति सहानुभूति सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध एवं छात्रों का सम्मान एवं शिष्टाचारपूर्वक व्यवहार है।

अपना विचार-

मेरे विचार से महाविद्यालय एक शांत एवं सभ्य वातावरण में सुस्थित है । जहां पर प्राचीन भारतीय संस्कृति से समन्वित वेदों का अध्यापन एवं आधुनिकशिक्षा का समावेश है । महाविद्यालय छात्रों के कौशलविकासार्थ विभिन्न आयोजन विद्वत्सङ्गोष्ठीयों का समय समय पर आयोजन होता है । अत: ऐसे महाविद्यालय पढ़कर अपने उत्कर्ष को प्राप्त करना चाहिए।

अपनी - अपनी उपलब्धियां

शिक्षाशास्त्री, एवं राष्ट्रीयसंस्कृतप्रतिस्पर्धा तिरुपति में वेदभाष्य में कांस्यपदक प्राप्त।

अपना भविष्य-भविष्य में संस्कृत प्रोफेसर

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

अन्य छात्रों को प्रेरित-

सभी संस्कृतानुरागी इस संस्कृतपरम्परा का संवर्धन करते स्वयं को संवर्धित करें।

सत्र-2020-21

पता-

पुरुषोत्तम बैरागी

ग्रा. गुलावता तह. सारंगपुर जि. राजगढ़ (म.प्र)

मो.6261830695,6261345653

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

11

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - लोकेश शर्मा

२. पिता का नाम - श्यामलाल जी शर्मा

३. घर का पता - A 463/2 आदर्श नगर गली नं. 15 भीलवाड़ा (राज.)

४. दूरवाणी संख्या - 8000610220

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शा० III

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - हिन्दी साहित्य

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - डॉ. संजय कुमार तिवारी, श्री प्रांजल मिश्र

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - बहुत अच्छा

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? - सरल तरीके से एवं बहुत ही अच्छा प्रेरित करते है।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? - बहुत ही अच्छे तरीके से एक-एक विषय को समझाते है और एक बार समझ नहीं आये तो दो बार तीन बार समझाते है।

[signature]

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय का ~~बहुत~~ वातावरण बहुत ही अच्छा है महाविद्यालय में पेड़-पौधे प्रकृति का बहुत अच्छा नजारा है

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नही

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय कैसे है, अपना मन्तव्य दें -

हमारे महाविद्यालय के पुस्तकालय में हर तरह की पुस्तके है

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय का खेल मैदान बहुत ही बड़ा है

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

मुझे यह आशा है कि महाविद्यालय में पढने से मैं बहुत ही आगे बढूंगा। और अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करूंगा।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? हाँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ? संस्कृत में पढने से यह लाभ हुआ कि मैं संस्कृत लिख सकता हूं संस्कृत पढ़ सकता हूँ।

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - प्रियांशु शर्मा

२. पिता का नाम - श्रीमान देवराज शर्मा

३. घर का पता - ग्राम : पो० जमाना . जिला बून्दी (राज.)

४. दूरवाणी संख्या - 9113375454

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री प्रथम सेमेस्टर उत्तीर्ण / शा० II Sec. कक्षा।

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - प्रथम

७. विषय - हिन्दी साहित्य ।

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - श्रीमान डॉ. संजय कुमार तिवारी ।
श्री प्रांजल मिश्र

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध -
गुरु शिष्य वत् प्रेम व स्नेह पूर्वक व्यवहार ।

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -
1. गुरु जी की विषय सम्बन्धित एवं गहराई से प्रेरित होता हूं. इसमें व्यवहारिक व ज्ञान संदर्भ जुड़े होते हैं

११. अध्यापक के पढ़ाने की शैली किस प्रकार थी ? -
1. गुरु जी अध्यापन के समय विषय में डूब जाते जाते हैं
2. वह आस-पास के संदर्भ एवं प्रसंगों का वर्णन करते हुए। विषय को सामने रखते। जिससे समझने में सरलता होती है.

[signature]

Scanned with OKEN Scanner

Si

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय मे पठन-पाठन का परिवेश बहुत सुन्दर है और यहा का वातावरण भी विद्या/ग्रहण के लिए बहुत अच्छा है.

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

मैं. छात्रावास मे निवास करता हु श्री.ला.दे.श.पं.आ.सं.महाविद्यालय मे आवास/भोजन. अध्ययन के व्यवस्था है

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय मे पुस्तकालय की बहुत ही सुन्दर व्यवस्था है पुस्तकालय मे अनेक विषयो की पुस्तके मिलती है.

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

हमारे महाविद्यालय मे खेल सम्बन्धि प्रतियोगिता होती है जो-खो-खो-कब्बडी आदि के मैदान उपलब्ध है

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

ला.दे.श.आ.सं. महा. मे मेरा जीवन का लक्ष्य पूर्ण हुआ है यहा पर गुरुजनो के सानिध्य मे विद्या के विद्याग्रहण के कारण मे आज. अपने लक्ष्य प्राप्त कर सका हु

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ?

हाँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के वाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

पाठन विद्यार्थि हैं

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARNA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARU...

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:
श्रीगुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसस्थानम
चरुन्दनी, तह – माण्डलगढ, जिला – भीलवाडा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम – आजाद व्यास

२. पिता का नाम – श्रीमान भंवर लाल जी शर्मा

३. घर का पता – मु.पो – दान्थल, तह – भीलवाडा, जिला – भीलवाडा (राजस्थान)

४. दूरवाणी संख्या – 9680002331

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा – आचार्य प्रथम वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष – 2023-2024

७. विषय – ज्योतिष

८. अध्यापन अध्यापक का नाम – डॉ. जितेन्द्र कुमार दुबे

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध – अध्यापक के साथ बहुत अच्छा प्रेमपूर्वक सम्बन्ध

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? – बहुत अच्छी तरह से प्रेरित हूँ।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? – सुमधुर, सरल सार, सुस्पष्ट

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय में पठन - पाठन बहुत उत्तम है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नहीं रहता हूँ।

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

पुस्तकालय बहुत उत्तम है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

बहुत बड़ा, साफ बढ़िया है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

बहुत उपलब्धि रही है। मैं ज्योतिष सीख हूँ। जिससे बहुत फायदा हुआ है।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ?

हाँ मैं कर सकता हूँ।

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

वर्तमान में अध्ययन करता हूँ। ज्योतिष से मेरी आजीविका आराम से निकल जाती है।

नाम - आजाद व्यास
कक्षा - आचार्य प्रथमवर्ष
दिनाङ्क - 03/05/2024

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

१२

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - करण सिंह गहलोत

२. पिता का नाम - मान सिंह गहलोत

३. घर का पता - रामदेव जी का चन्देरिया (चित्तौड़गढ़)

४. दूरवाणी संख्या - 7878187557

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री द्वितीय वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - हिन्दी साहित्य

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - डॉ. संजय कुमार तिवारी
श्री. प्राञ्जल मिश्र

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - अच्छा सम्बन्ध

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -
आपके अध्यापन में सरलता के साथ साथ व्यावहारिक जीवन में उदाहरण के रूप में

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? - समझकर के विषय को समझाते हैं।
सरल एवं सुबोध

-2-

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय का परिवेश अध्ययन अध्यापक के अनुकूल है यहाँ मुझे बहुत सी चीजे सिखने को मिली।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नही

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

हमारी आवश्यकता की पुस्तके उपलब्ध है पुस्तकालय में बैठकर पढने की सुविधा उपलब्ध है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

खेल मैदान बडा है विस्तृत भी है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

हमे अपने जीवन बहुत कुछ सिखने को मिला है जीवन में उपयोगी ज्ञान गुरुजनो द्वारा प्राप्त हुआ है।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? थोड़ा ही लिख सकते है।

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

महाविद्यालय में पढने से हमे जीवन के नैतिक अनैतिक जीवन विचार प्राप्त हुए है।

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः
श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्
बरुन्दनी, तह - माण्डलगढ़, जिला - भीलवाड़ा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - सुमन सांखला

२. पिता का नाम - श्री देवीलाल सांखला

३. घर का पता - मु.पो. सागरिया त. कुलिया कलां जि. शाहपुरा

४. दूरवाणी संख्या - 8000939311

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - ~~आचार्य प्रथम वर्ष~~ परीक्षा परिणाम के लिए प्रतीक्षारत

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - नव्य व्याकरण

८. अध्यापन अध्यापक का नाम (1) डा. वीरेन्द्र ठाकुर
डा उमेश शुक्ला ~~[उत्तम]~~

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - गुरु-शिष्य (अति उत्तम)

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -

अच्छी तरह से अध्ययन हेतु प्रेरित किया

११. अध्यापक के पढ़ाने की शैली किस प्रकार थी ? -

पढ़ाने की शैली अतिशय सुन्दर व रुचिकर थी। शोध प्रक्रिया होने के कारण आसानी से समझ में आती है।

सुमन सांखला

Scanned with OKEN Scanner

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें –

महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश बहुत ही अच्छा व सराहनीय है और अत्यन्त प्रेरणादायक है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

छात्रावास में नहीं रहते

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें –

महाविद्यालय का पुस्तकालय आदर्श व अध्ययन अनुकूल है। सभी प्रकार कि चाहिये पुस्तकें आसानि से मिल जाती है

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें –

खेल मैदान व खेल सामग्री दोनों ही उपयोगी है। पर सभी छात्र व छात्रायें अच्छे वातावरण में खेलते हैं

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

ला. दे.श. आ. सं महाविद्यालय से मुझे जीवन जीने की शैली व व्यवहारिक शिक्षा के साथ संस्कृतमय जीवन की उपलब्धि ~~प्राप्त हुई है~~। ~~तथा मधोत्सा~~ तथा मदाचारा, पुनरिशा प्राप्त हो रही है

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? हां मैं पढ़ सकती, लिख सकती, समझ सकती तथा धारा प्रवाह कोशिश कर रही हूँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

महाविद्यालय में पढने से शास्त्र शिक्षा के साथ साथ - नैतिक व शारीरिक शिक्षा प्राप्त कर रही हूँ जिस से जीवन मे शिक्षा के क्षेत्र मे कार्य करने मे सहायता मिलेगी संस्कृत शिक्षा से जिसे चरित्र का निरमाण होता है वह आधुनिक संसार को सही दिशा प्रदान कर मे सहायक होगा

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

दिनांक = 5/5/24

(सुमन शंकरलाल)
आचार्य प्रथम वर्ष
(व्याकरण)

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

चरुन्दनी, तह - माण्डलगढ, जिला - भीलवाडा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - लक्ष्मी कुमावत

२. पिता का नाम - रामेश्वर लाल कुमावत

३. घर का पता - मु० पो० सांगरिया त. फुलियाँ कलाँ जि. शाहपुरा

४. दूरवाणी संख्या - 6367953487

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षा परिणाम के लिए प्रतिक्षारत

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-2024

७. विषय - नव्यव्याकरण

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - ① डॉ० विरेन्द्र कुमार ठाकुर
② डॉ० उमेश शुक्ल

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - गुरु- शिष्या (उत्तम)

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -

अच्छी तरह से अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? -

पढाने की शैली शीलगुण युक्त व रुचिकर थी। बौद्धगम्य होने के कारण आसानी से समझमे आती है।

1

लक्ष्मी कुमावत

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें –

महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश बहुत ही अच्छा व सहनशील है, और अत्यन्त प्रेरणादायक है।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

छात्रावास में नहीं रहती हूँ।

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें –

महाविद्यालय का पुस्तकालय शान्तपूर्ण व अध्ययन अनुकूल है। सभी प्रकार की पाठ्यपुस्तके आसानी से मिल जाती है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें –

खेल मैदान व खेल सामग्री दोनों ही उपयोगी है। यहाँ सभी छात्र/छात्रायें अच्छे वातावरण में खेलते है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

ला० दे० श० आ० संस्कृत महाविद्यालय से मुझे जीवन जीने की शैली व व्यवहारिक शिक्षा के साथ संस्कृतमय जीवन में विनम्रता तथा सदाचार युक्त शिक्षा प्राप्त हो रही है।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? हाँ मैं पढ़ सकती हूँ, लिख सकती हूँ। समझ सकती हूँ तथा धारा प्रवाह बोलने की कोशिश कर रही हूँ।

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

महाविद्यालय में पढ़ने से शास्त्र शिक्षा के साथ-साथ नैतिक व चारीत्रिक शिक्षा प्राप्त कर रही हूँ, जिससे जीवन में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने में सहायता मिलेगी। संस्कृत शिक्षा से जिस व्यक्तित्व का निर्माण होता है। वह आधुनिक संवाद को सही दिशा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

सत्र 2023-24
आचार्य प्रथम वर्ष
नव्यव्याकरण

लक्ष्मी कुमावत

5/05/2024

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

17

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:
श्रीगुरुकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम
बरुन्दनी, तह - माण्डलगढ, जिला - भीलवाड़ा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - हेमराज माली

२. पिता का नाम - शिवराज माली

३. घर का पता - गांव सांगरिया पो० सांगरिया तह० कुरिपाकला जिला शाहपुरा (311023)

४. दूरवाणी संख्या - 9079856128

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - आचार्य (प्रथम वर्ष) 2022-23

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - (आ० द्वि० वर्ष अध्ययनरत) 2023-24

७. विषय - नव्य व्याकरण

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - ① डॉ० विरेन्द्रजी ठाकुर
② उमेशजी शुक्ल

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - क्रम

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -
अध्यापक का अध्यापन बहुत ही रुचिपूर्ण है।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? - अध्यापक के पढ़ाने की शैली सरल, सहज, और ~~बोधगम्य~~ बोधगम्य, होती है, जिससे छात्रों को विषय वस्तु को समझने में आसानी होती है, अथवा कठिनाई या नहीं होती है।

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश अच्छा है, सभी अध्यापक मनोयोग से पढ़ाते हैं, तथा सभी छात्र परस्पर एक दूसरे को सहयोग प्रदान करते हैं

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नहीं

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय का पुस्तकालय सुव्यवस्थित है, जहाँ छात्रों को पढ़ने पुस्तकें आसानी से मिल जाती है जहाँ बच्चे अध्ययन भी करते हैं

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

महाविद्यालय का खेल मैदान बहुत अच्छा है, खेलने योग्य है, जहाँ पर बच्चे हर प्रकार का खेल - खेलते हैं।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से मैंने आचार्य प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की है, अभी मैं आचार्य द्वितीय वर्ष की परीक्षा देने की तैयारी कर रहा हूँ यहाँ जो मैंने ज्ञान अर्जित की है, वह जीवन में निश्चय ही काम आयेगा।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? हाँ लिखना पढ़ना जानता हूँ, तथा धारा प्रवाह बोलने की कोशिश कर रहा हूँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

वर्तमान में आचार्य (द्वितीय वर्ष) में अध्ययन कर रहा हूँ, संस्कृत पढ़ने के बाद आचार - विचार, रहन, सहन में बदलाव आया है, जिससे समाज के लोग प्रभावित होते है, और अपने बच्चों को संस्कृत पढ़ने की चर्चा करते हैं। यहाँ की शिक्षा पाकर ~~~~ निश्चय आगे बढूँगा

दिनांक 24-4-2024

नाम हेमराज माली

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - कृष्णा कुमारी लोहार

२. पिता का नाम - मुकेश चन्द्र लोहार

३. घर का पता - रामदेवजी का पन्देरिया (चित्तौड़गढ़)

४. दूरवाणी संख्या - 9351018020

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री द्वितीय वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023 - 2024

७. विषय - हिन्दि

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - डॉ. संजय कुमार तिवारी

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - अच्छा सम्बन्ध

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -

आपके अध्यापन में सरलता के साथ-साथ व्यवहारिक चिंतन के उदाहरण के रूप में रख के कर विषय को समझाते है

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? -

सरल एवं सुबोध

Scanned with OKEN Scanner

४।

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

महाविद्यालय का अच्छा परिवेश अध्ययन अध्यापक के अनुकूल है यहा हमे बहुत कुछ सिखने को मिलता है

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

नही

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

आवश्यक सभी पुस्तके उपलब्ध है तथा पुस्तकालय मे बैठ कर पढने की भी सुविधा है

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

खेल मैदान अच्छा है विस्तृत है

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

मै अपने जिवन बहुत कुछ सिखने को मिला है जिवन में जीवन उपयोगी ज्ञान गुरुजनो द्वारा प्राप्त होता है

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? लिख सकते है

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ? अध्ययनरत

महाविद्यालय मे पढने से नैतिक अनैतिक जीवन विचार प्राप्त हुए है

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311601

Krishna Lohar

19

श्रीमतीलाडदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय:

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसंस्थानम्

बरुन्दनी, तह - माण्डलगढ़, जिला - भीलवाड़ा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - फूलवन्ती वैष्णव

२. पिता का नाम - श्रीमान . पुरुषोतम वैष्णव

३. घर का पता - मु. पो सांगरिया तह. कुचिया जी. महाड़ा (राजस्थान)

४. दूरवाणी संख्या - 7850845280

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - आचार्य प्रथम वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2023-24

७. विषय - व्याकरण

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - 1. श्री मान विरेन्द्र कुमार ठाकुर
2. श्री मान उमेश शुक्ला

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - पिता-पुत्री की तरह

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? -
बहुत अच्छी तरह से प्रेरित हुं मैं निर्णय लेने की क्षमता व कार्य कौशल हुं।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ? -
सुमधुर सफलतम . पाठ्यक्रम समय से पूर्ण करवाना। बोधगम्य।

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें -

बहुत उत्तम है वातावरण, सदा सुमधुर छात्रों के और के हिसाब से बहुत अच्छा है। सभी एक दूसरे के साथ परस्पर अच्छा व्यवहार रखते हैं।

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?

मैं नहीं रहती हूँ।

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें -

महाविद्यालय का पुस्तकालय सुव्यवस्थित व उत्तम है, पाठ्यपुस्तकें मिल जाती हैं तथा अध्ययन का वातावरण भी अच्छा है।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें -

खेल मैदान बहुत उत्तम व साफ व बड़ा है।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें

मैं संस्कृत में अच्छी तरह से पठन-पाठन में कुशल हूँ। कार्य कुशलता व निर्णय क्षमता में काफी सहायता मिली है। जीवन में शिक्षक के रूप में कार्य करना चाहती हूँ जिसकी अध्ययन क्षेत्र में रहकर अध्ययन कर रही हूँ।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ?

पढ़ सकती हूँ। मैं संस्कृत में बात कर सकती हूँ। तथा समझ सकती हूँ

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

मैं अभी भी अध्ययन कर रही हूँ। इससे हमें शास्त्र को समझने में सुविधा होती है जिससे मैं अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकूंगी।

नाम - कुलवन्ती वैष्णव

दिनांक - 04/05/2024

कक्षा - आचार्य प्रथम वर्ष

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीलाडदेवीशर्मा–आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः

श्रीमुनिकुलब्रह्मचर्याश्रमवेदसस्थनम्

बरून्दनी, तह – माण्डलगढ, जिला – भीलवाडा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम – ओम शर्मा

२. पिता का नाम – श्यामलाल शर्मा

३. घर का पता – ग्राम पो. तुम्बड़ियाँ, बाया सिंहपुर तं. जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान

४. दूरवाणी संख्या – 7568850545

५. कक्षा/उतीर्ण कक्षा – आचार्य प्रथम वर्ष 2022-23

६. अध्ययन वर्ष/उतीर्ण वर्ष – आचार्य द्वितीय वर्ष 2023-24

७. विषय – नव्य व्याकरण

८. अध्यापन अध्यापक का नाम – डा. वीरेन्द्र ठाकुर
डा. उमेश शुक्ल

ओम शर्मा

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHA VIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

Scanned with OKEN Scanner

९. अध्यापक के साथ संबंध – अध्यापक के साथ सम्बन्ध अध्यापक छात्र का सम्बन्ध ना होकर गुरु शिष्य सम्बन्ध रहा है। क्योंकी गुरुवर ने सभी प्रकार से मानसिक आर्थिक एवं शारीरिक रूप से हर समय दृढ़ता से हमारे साथ धूप में छाव की तरह साथ रहे हैं।

१०. अध्यपक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ?
गुरु जी का सान्निध्य महाविद्यालय परिसर एवं गुरुकुल परिसर पास-पास होने से किशोरावस्था में ही प्राप्त हो गया था जो की भगवान द्वारा प्रदान की हुई कृपाओं में से एक है गुरुकुल में अध्ययन के समय ही गुरु जी द्वारा समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त हो जाने से महाविद्यालय में अध्ययन पर्वत के समान न लगकर एक समतल पथ के समान लगने लगा और गुरुजनों के चिन्ह मात्र से ही विद्या में गति मिलने लगी।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार थी ?
गुरु जी का किशोरावस्था में ही सान्निध्य प्राप्त हो जाने से गुरु जी की पढ़ाने की शैली अत्यन्त सरल एवं सुगम रही कठिन से कठिन एवं गूढ़ से गूढ़ विषय को भी सरलता से समझ पाने में सक्षम हो सका विद्या को रटन विद्या न बनाकर तार्किक विधि से समझाया गया जिससे रटने में समय न देकर वैयाकरण जैसे विषय का सरलता से आत्मसात हो सका सरल और तार्किक शैली के कारण ही वाक्यपदीयम् एवं महाभाष्य जैसे वैयाकरणीय दर्शन ग्रन्थों का पाठन सम्भव हो पाया है।

१२. महाविद्यालय में पठन–पाठन का परिवेश / वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दो में लिखें – महाविद्यालय में पठन – पाठन का परिवेश सौम्य एवं अनुकूल हैं विषय के अतिरिक्त भी सभी आचार्यों से शिक्षा लेने एवं तर्क का विकास होने से किसी भी प्रकार का द्वंद मन में नही रहता है प्रधानाचार्य जी द्वारा छात्रों की किसी भी समस्या को अपनी समस्या मानकर समाधान निकाल लेने के कारण किसी भी समस्या को प्रधानाचार्य जी के सामने प्रस्तुत करने में कोई संकोच नही रहता है महाविद्यालय में समय-समय पर अलग-अलग विषय के विद्वानों को आमंत्रित कर संगोष्ठीयों का आयोजन होता हैं जिससे की हम विषयों को और व्यापक रूप से जान पाते हैं।

वीरेन्द्र ठाकुर उमेश शुक्लयो: युगलौ
भानुप्रभावत् विभागाय प्रकाशं प्रदातु
सर्वे गुरु: सप्त ऋषिमण्डल इव ज्योति: समा:
प्राचार्य: उत्तर तारकवत् दिशां दर्शयति
गुरुकुले छन्द ध्वनि: अनन्तनक्षत्रवत् नूतन आविष्कारान् आकर्षयति
वयं च सर्वे स्वयमेव गुरुत्व आकर्षणेन आकृष्यन्ते।

ओम शर्मा

१३. आप छात्रावास में रहते थे/है क्या ? यदि रहते थे/है, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है। नहीं

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय केसे है, अपना मन्तव्य दें। –
महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभागो से जुड़ी लगभग सभी पुस्तके उपलब्ध हैं एवं पुस्तकालय सुव्यवस्थित हैं।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बंध में अपना मतामत दें –
खेल मैदान सामान्य है

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही , ५० शब्दो में लिखें – महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने से मैं सर्वप्रथम अपने आप को समझ सका और सनातन को जान सका मैं सनातन के उन विषयों को भी जान सका जो सामान्य जन की पहुँच से दूर हैं महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने से शिक्षा पाने का उद्देश्य आजीविका मात्र ना बनाकर जीवन के उद्देश्यो को समझना महत्वपूर्ण रहा स्वर्गीय संचालक महोदय के निःस्वार्थ पूर्ण भाव को देखकर स्वयं के परिवार में न सिमटकर संपूर्ण संसार में परिवार भाव उत्पन्न हुआ।

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

ओम शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते है य लिख सकते है ?

हा

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत है, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?

वर्तमान में आचार्य द्वितीय वर्ष की शिक्षा इसी महाविद्यालय में पूरी कर रहा हु।

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
BARUNDANI, BHILWARA (RAJ.) 311604

ओम शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमतीकाळदेवीशर्मापंचोली-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालय
श्रीद्वारिकाधीशबालमुकुन्दसेवासंस्थानम्
बरुन्दनी, तह - माण्डलगढ़, जिला - भीलवाड़ा (राज) 311604

प्रतिपुष्टि प्रपत्र (Feedback Form)

१. छात्र/पूर्व छात्र का नाम - रोहित शर्मा

२. पिता का नाम - राधेश्याम शर्मा

३. घर का पता - V/P- सोनियाणा, तह० सहाड़ा, जिला- भीलवाड़ा (राजस्थान)

४. दूरवाणी संख्या - 9468656347

५. कक्षा /उत्तीर्ण कक्षा - शास्त्री III वर्ष

६. अध्ययन वर्ष/ उत्तीर्ण वर्ष - 2015

७. विषय - हिन्दी

८. अध्यापन अध्यापक का नाम - संजय जी तिवारी

९. अध्यापक के साथ सम्बन्ध - बहुत अच्छे संबंध

१०. अध्यापक का अध्यापन से किस प्रकार प्रेरित थे ? - अध्यापक जी हमेशा सकारात्मक तरीके से अध्ययन से प्रेरित करते थे और अपने विषय का पूर्ण ज्ञान देते थे।

११. अध्यापक के पढाने की शैली किस प्रकार की थी ? - अध्यापक जी के पढाने की शैली बहुत सरल और प्रभावी थी

१२. महाविद्यालय में पठन-पाठन का परिवेश/वातावरण किस प्रकार है, ५० शब्दों में लिखें –
महाविद्यालय में सभी अध्यापक उनका सम्मान लोग सोचकर आपरेट करते थे। पठन-पाठन का वातावरण बहुत अच्छा था और सभी छात्र पूरे मन से अध्ययन करते थे

१३. आप छात्रावास में रहते थे/हैं क्या ? यदि रहते थे/हैं, छात्रावास की व्यवस्था कैसी थी/है ?
मैं छात्रावास में नहीं रहता थे।

१४. महाविद्यालय का पुस्तकालय कैसे है, अपना मन्तव्य दें – महाविद्यालय का पुस्तकालय सभी प्राचीन और नवीन पुस्तकों के साथ सुसज्जित था। हम नियमित रूप से पुस्तकालय का प्रयोग करते थे।

१५. महाविद्यालय का खेल मैदान के सम्बन्ध में अपना मतामत दें –
महाविद्यालय परिसर में खेल का मैदान सभी सुविधाओं से युक्त है। हमने कबड्डी, वॉलीबॉल व कुश्ती की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया था।

१६. ला.दे.श.आ.सं. महाविद्यालय से आपके जीवन की उपलब्धि क्या रही ५० शब्दों में लिखें
महाविद्यालय के अच्छे अनुशासन सुविधा और अध्यापन से जीवन में कई चीजें सीखने को मिली और आचार्य में स्वर्ण पदक भी प्राप्त हुआ।

१७. क्या आप संस्कृत में बात कर सकते हैं या लिख सकते हैं ? जी- दोनों कर सकते हैं।

१८. वर्तमान कहां पर कार्यरत हैं, क्या संस्कृत पढने के बाद विशेषकर ला.दे.श.आ.सं.

महाविद्यालय में पढने से क्या लाभ हुआ, ५० शब्दो में लिखें ?
वर्तमान में मैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हूं और नीजि विद्यालय में संस्कृत व हिन्दी का अध्यापन कर रहा हूं।

PRINCIPAL
SMT. LAD DEVI SHARMA PANCHOLI
ADARSH [illegible]
BARUNDANI, [illegible]

Scanned with OKEN Scanner